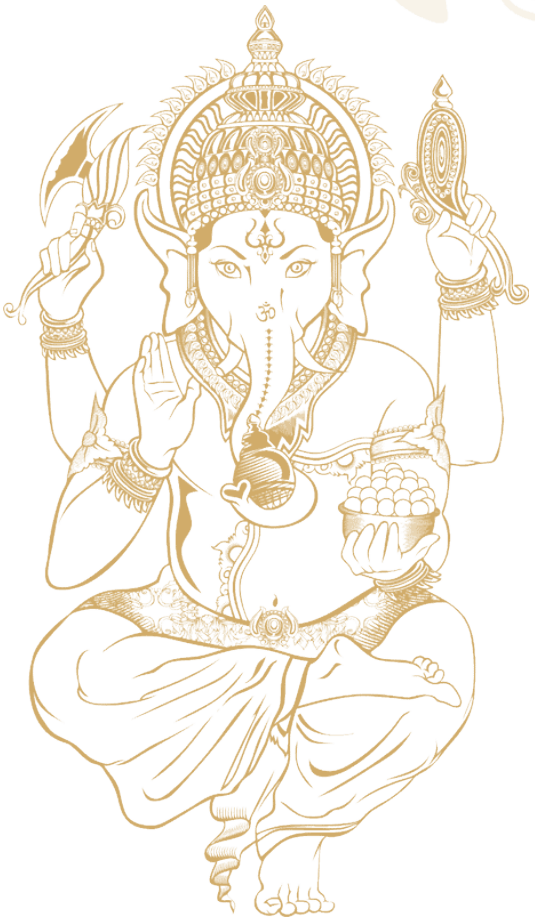

SAPNA SINGHAL

23 Jun 1968

04:07 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121578412

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/06/1968**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:07:00 घंटे**
इष्ट	56:47:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:45:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:52 घंटे
साम्पातिक काल	21:50:32 घंटे
सूर्योदय	05:24:08 घंटे
सूर्यास्त	19:22:02 घंटे
दिनमान	13:57:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:06:40 मिथुन
लग्न के अंश	18:37:34 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	18:37:34	366:22:05	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	08:06:40	00:57:15	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			वृष	05:13:49	11:49:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मिथु	07:44:54	00:40:17	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	01:43:37	00:28:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	स्वराशि
गुरु			सिंह	07:39:53	00:09:14	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मिथु	08:48:01	01:13:44	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	00:26:39	00:04:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	नीच राशि
राहु	व		मीन	22:23:15	00:07:52	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	22:23:15	00:07:52	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	01:51:09	00:01:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		वृश्चि	00:48:31	00:01:13	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			सिंह	26:53:34	00:00:43	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	01:56:43	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:56

लग्न-चलित

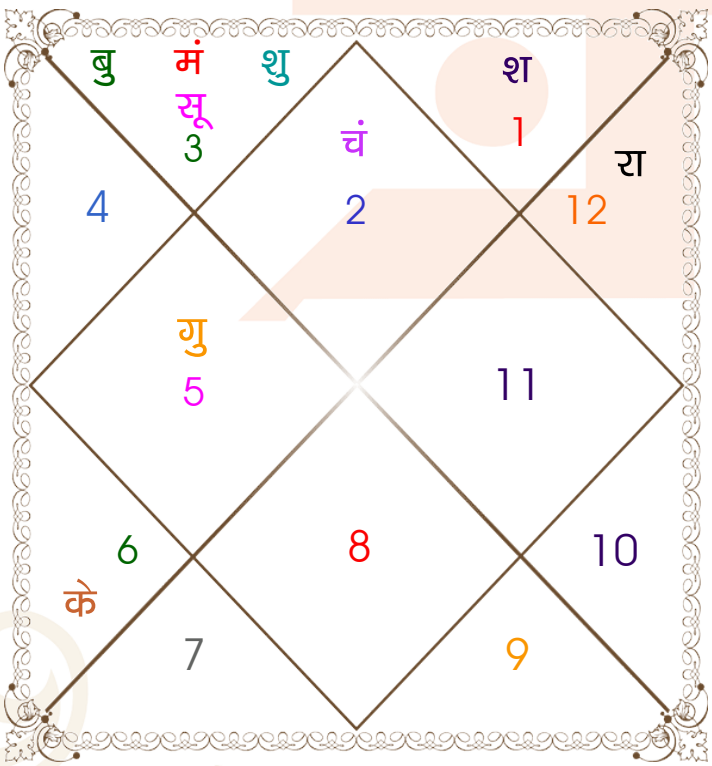

चन्द्र कुंडली

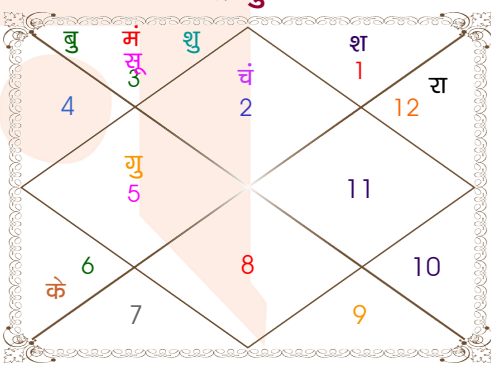

नवमांश कुंडली

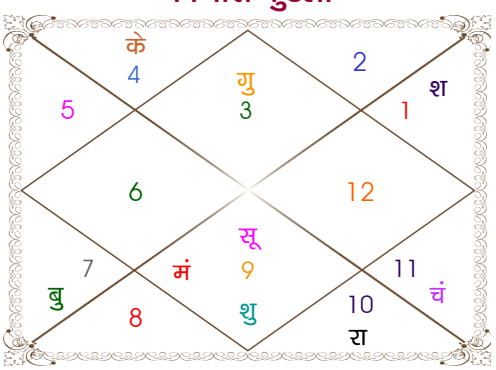

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 1 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/06/1968		16/08/1970		15/08/1980		16/08/1987		15/08/2005	
16/08/1970		15/08/1980		16/08/1987		15/08/2005		15/08/2021	
	00/00/0000	चंद्र	16/06/1971	मंगल	11/01/1981	राहु	28/04/1990	गुरु	04/10/2007
	00/00/0000	मंगल	15/01/1972	राहु	30/01/1982	गुरु	21/09/1992	शनि	16/04/2010
	00/00/0000	राहु	16/07/1973	गुरु	06/01/1983	शनि	29/07/1995	बुध	22/07/2012
	00/00/0000	गुरु	15/11/1974	शनि	14/02/1984	बुध	14/02/1998	केतु	28/06/2013
	00/00/0000	शनि	15/06/1976	बुध	11/02/1985	केतु	05/03/1999	शुक्र	27/02/2016
	23/06/1968	बुध	15/11/1977	केतु	10/07/1985	शुक्र	04/03/2002	सूर्य	15/12/2016
बुध	10/04/1969	केतु	16/06/1978	शुक्र	09/09/1986	सूर्य	27/01/2003	चंद्र	16/04/2018
केतु	15/08/1969	शुक्र	14/02/1980	सूर्य	15/01/1987	चंद्र	28/07/2004	मंगल	23/03/2019
शुक्र	16/08/1970	सूर्य	15/08/1980	चंद्र	16/08/1987	मंगल	15/08/2005	राहु	15/08/2021

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/08/2021		15/08/2040		15/08/2057		15/08/2064		15/08/2084	
15/08/2040		15/08/2057		15/08/2064		15/08/2084		00/00/0000	
शनि	18/08/2024	बुध	12/01/2043	केतु	12/01/2058	शुक्र	16/12/2067	सूर्य	03/12/2084
बुध	28/04/2027	केतु	09/01/2044	शुक्र	14/03/2059	सूर्य	15/12/2068	चंद्र	03/06/2085
केतु	06/06/2028	शुक्र	09/11/2046	सूर्य	19/07/2059	चंद्र	16/08/2070	मंगल	09/10/2085
शुक्र	07/08/2031	सूर्य	15/09/2047	चंद्र	18/02/2060	मंगल	16/10/2071	राहु	03/09/2086
सूर्य	19/07/2032	चंद्र	14/02/2049	मंगल	16/07/2060	राहु	15/10/2074	गुरु	22/06/2087
चंद्र	17/02/2034	मंगल	11/02/2050	राहु	03/08/2061	गुरु	15/06/2077	शनि	03/06/2088
मंगल	29/03/2035	राहु	30/08/2052	गुरु	10/07/2062	शनि	15/08/2080	बुध	23/06/2088
राहु	02/02/2038	गुरु	06/12/2054	शनि	19/08/2063	बुध	16/06/2083		00/00/0000
गुरु	15/08/2040	शनि	15/08/2057	बुध	15/08/2064	केतु	15/08/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 1 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगी।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगी। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगी। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगी तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगी। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगी।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगी।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंची हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान है। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहती बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करती हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देती हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करती हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करती। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देती हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से ईर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करती हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाली प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रूचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि की लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो।द्यपि आप मध्यम कद की ऊंची कंधे वालीं, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व की जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (पुरुष) आकर्षित रहेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगी। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।